Title : Need to declare Government holiday on the occasion of Parshuram Jayanti in the country.

डा. राजेश मिश्रा (वाराणसी) : मान्यवर, देश में भगवान परशुराम जयंती का पर्व बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश की सरकार ने उत्तर प्रदेश के लोगों की भावनाओं के अनुरूप परशुराम जयंती पर अवकाश घोषित किया है। भगवान परशुराम जी का जन्म विक्रम संवत 262 में दिन बुद्धवार, रोहनी नक्षत्र, अक्षय तृतीया, वैशाख शुक्ल पक्ष में हुआ था। भगवान परशुराम जी आदिवंश संस्थापक महर्षि भृगजी स्वयं परमपिता ब्रह्म जी के मानसपुत्र थे। भृगवंश के बारे में श्रीमद् भागवत गीता में भगवान श्री कृण जी ने कहा - महर्षिणं भृगुरह एवं कवि नामुशनाकवि।

भगवान परशुराम के पिता जमदाग्नि और देवी रणुका माता थी। भगवान परशुराम ने शिवतप से वेद, वेदांग, नागपाश, ब्रह्मास्त्र, आग्नेय, वायव्सास्त, आग्नेय, गाधपर्य, वारूण, जम्माकास्त, गदा, त्रिशुल, आत्मसैन्य का ज्ञान प्राप्त किया था।

संसार में साहित्य में प्रभु परशुराम जैसा-शस्त्र, शास्त्र, सृजन शांति, संर्घा व सर्वोत्तम समन्यवकारी संत नहीं मिलता। भगवान श्री राम के द्वारा परशुराम संह्रस्त्वाय स्त्रोतम् में श्री परशुराम की महिमा का वर्णन किया गया है। राट्रकवि श्री रामधारी सिंह दिनकर ने भगवान परशुराम के बारे में कहा है -

'कहता है इतिहास जगत में हुआ एक ही नर ऐसा

रण में कुटिल काम सम क्रोधी तप में महासूर्य जैसा ।।

यह भारत है उसी महामुनी परशुराम बलशाली का

भृगु के परम् पुनीत वंशधर व्रती वीर प्रण पाली का ।।

भगवान परशुराम जी के जन्मदिन को प्रतिर्वा राट्रीय अवकाश घोषित किया जाए।